दैनिक जागरण 24/04/2026

प्रवेश
पहले
म का
इसके

एचबीटीयू के डीन एकेडमिक्स प्रो.

सायूइटी पीजी को आधार माना गया है। एमसीए में निमसेट और

शारीरिक दक्षता परीक्षण, खेल प्रवीणता और साक्षात्कार शामिल

सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश की सुविधा

सूखे-हवादार गोदाम में लकड़ी पर रखें गेहूं के बोरे, नहीं आएंगे नमी और कीड़े

खेत खलिहान

- कटाई के बाद भंडारण में सावधानी न बरती जाए तो हो सकता है नुकसान
- मड़ाई के बाद तीन-चार दिन तक सुखाएं, 10 से 12 प्रतिशत से ज्यादा न हो नमी

गेहूं की फसल पककर तैयार है। कटाई भी चल रही है • सीएसए

जागरण संवाददाता, कानपुर: कानपुर नगर और कानपुर देहात समेत आसपास के क्षेत्रों में गेहूं प्रमुख रबी फसल है। कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार औसतन 8 से 10 लाख मीट्रिकटन गेहूं उत्पादन किया जाता है। कटाई लगभग पूरी होने के बाद अब किसानों के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी गेहूं सुरक्षित रखने की है।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) से जुड़े कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डा. दीपक कुमार मिश्र ने बताया कि कटाई से लेकर भंडारण तक लापरवाही होने पर काफी मात्रा में अनाज नष्ट हो सकता है। वैज्ञानिक तरीके अपनाना बेहद जरूरी है। भंडारण से पहले गेहूं के दानों में नमी 10 से 12 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि दानों में अधिक नमी रहती है तो उनमें फफूंद लगने और सड़न की आशंका बढ़ जाती है। किसान कटाई और मड़ाई के बाद गेहूं को तीन से चार दिन तेज धूप में अच्छी तरह सुखाएं। इसके बाद भूसा, धूल, मिट्टी और टूटे दानों को अलग कर साफ अनाज भंडारित करें। भंडारण के लिए गोदाम, कमरा या स्टोर पूरी तरह साफ, सूखा और हवादार होना चाहिए। गेहूं की बोरियों को लकड़ी के तख्ते या प्लेटफार्म पर रखें। मृदा वैज्ञानिक डा.खलील खान ने कहा कि किसान जूट की बोरियों, लोहे के ड्रम या मजबूत धातु पात्रों में भी गेहूं सुरक्षित रख सकते हैं। घरेलू स्तर पर कीट नियंत्रण के लिए नीम की सूखी पत्तियां भी उपयोगी होती हैं। समय-समय पर भंडारित गेहूं की जांच करते रहें और यदि कीट दिखाई दें तो कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेकर उपचार करें। सही तरीके से भंडारण करने पर गेहूं की चमक, वजन और गुणवत्ता भी बनी रहती है। इससे किसानों को मंडी और खरीद केंद्रों पर बेहतर मूल्य मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

अमर उजाला 24/04/2026

प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एआई के माध्यम से रचनात्मक फैशन इलस्ट्रेशन विषय पर प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग के बैनर तले हुआ। प्रतियोगिता में स्नातक और परास्नातक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों को विभिन्न टेक्सचर आधारित थीम जैसे नेचुरल, ज्योमेट्रिकल, एब्स्ट्रैक्ट और स्टाइलाइज्ड डिजाइन पर कार्य करना था। इसके साथ ही टाई-एंड-डाई और बाटिक जैसे प्रभाव भी शामिल किए गए। निर्णायक मंडल में डॉ. संघमित्रा मोहापात्रा, डॉ. अलेना और डॉ. एकता शर्मा शामिल रहीं, जबकि संचालन डॉ. अंकिता यादव ने किया। (ब्यूरो)

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 288 कानपुर, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से रचनात्मक फैशन इलस्ट्रेशन हुई प्रतियोगिता

कानपुर। सीएसए के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग द्वारा ए.आई. के माध्यम से रचनात्मक फैशन इलस्ट्रेशन विषय पर एक प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्नातक एवं परास्नातक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों को पूर्व में वस्त्रों के विभिन्न टेक्सचर पर आधारित डिजाइनिंग की थीम प्रदान की गई थी, जिसमें नेचुरल, ज्योमेट्रिकल, एब्स्ट्रैक्ट एवं स्टाइलाइज्ड डिज़ाइन के साथ ही टाई-एंड-डाई, बाटिक इत्यादि प्रभाव भी शामिल थे। प्रतिभागियों ने पहले हस्त-निर्मित फैशन इलस्ट्रेशन तैयार किए, तत्पश्चात उन्हें ए.आई. टूल्स की सहायता से डिजिटल स्वरूप में परिवर्तित किया द्य इसके साथ ही, उपयोग किए गए प्रॉम्प्ट्स को भी स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें संचार एवं प्रसार शिक्षा विभाग की डॉ. संघमित्रा मोहापात्रा, संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग की डॉ. अलेना तथा परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग की डॉ. एकता शर्मा शामिल रहीं। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता, प्रस्तुति कौशल, ए.आई. के प्रभावी उपयोग के साथ ही उपयोग किए गए प्रॉम्प्ट्स के आधार पर मूल्यांकन किया।कार्यक्रम का सफल आयोजन परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग की प्राध्यापक डॉ. एकता शर्मा एवं विभाग प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन टीचिंग एसोसिएट डॉ. अंकिता यादव द्वारा सुचारु रूप से किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता पद का कार्यभार संभाल रहीं डॉ. मुक्ता गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहीं तथा उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। यह आयोजन विद्यार्थियों में रचनात्मकता, फैशन की सौंदर्यपरक समझ तथा ए.आई. आधारित डिजिटल कौशल को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।